980504 - C2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड-'क'

1. **अपठित गद्यांश :** 5

आज समूचा विश्व धर्मांधता की आग में जलता नज़र आ रहा है। दुर्भाग्य की बात यह है कि धार्मिक विश्वासों के मामले में जहाँ आमने-सामने के दोनों ही पक्ष अपने शिक्षित एवं ज्ञानी होने का दावा पेश करते हैं, वहीं उनके पूर्वाग्रह इस बात का प्रमाण पेश करते हैं कि उनकी बातों में मात्र ज़िद, अपने विश्वासों को दूसरों पर थोपने तथा अपने ही संप्रदाय का प्रचार-प्रसार करने तथा ईश्वर को सीमित दायरों में रखकर पेश करने के सिवाय और कुछ नहीं। एक सच्चे धार्मिक व्यक्ति का पहला लक्ष्य यह है कि उसकी सोच 'असीमित' होगी। उसकी सोच उसे अयोध्या, काबा, काशी, चर्च, गुरुद्वारे तक सीमित नहीं रखेगी। सभी धर्मों के प्रवर्तक असीमित विचारधाराओं के स्वामी थे। सभी ने ईश्वर को असीम बताया। इंसान के कर्मों तथा उसकी अच्छाइयों-बुराइयों के आधार पर इंसान का वर्गीकरण हुआ न कि जाति एवं धर्म के आधार पर।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए -

(क) सभी धर्मों के प्रवर्तकों में समानता थी- 1

(i) सभी ने संन्यास लिया

(ii) भिक्षा माँगकर जीवन बिताया

(iii) ईश्वर को अनंत व असीम बताया

(iv) लोगों को उपदेश दिए

(ख) आज दुर्भाग्य की बात क्या है? 1

(i) विश्व धर्मांधता की आग में जल रहा है

(ii) लोग अपने विचारों को दूसरों पर थोपना चाहते हैं

(iii) लोग ईश्वर को सीमित दायरों में बाँधना चाहते हैं

(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) सच्चे धार्मिक व्यक्ति का प्रमुख लक्षण है 1

(i) मूर्ति पूजा करना

(ii) असीमित सोच होना

(iii) धर्मग्रंथ पढ़ना

(iv) तीर्थयात्रा करना

(घ) गद्यांश का उचित शीर्षक है - 1

(i) ईश्वर तेरे कितने नाम

(ii) सभी मनुष्य भिन्न है

(iii) ईश्वर असीम है

(iv) प्यारा भारतवर्ष

(ङ) मनुष्य के वर्गीकरण का आधार है - 1

(i) धर्म और जाति

(ii) अच्छाई और बुराई

(iii) प्रदेश और भाषा

(iv) रंग और रूप

2. **अपठित गद्यांश :** 5

वह ईंट जिसने अपने को सात हाथ ज़मीन के अंदर इसलिए गाड़ दिया कि इमारत ज़मीन के सौ हाथ ऊपर तक जा सके। वह ईंट, जिसने अपने लिए अंधकूप इसलिए कबूल किया कि ऊपर के उसके साथियों को स्वच्छ हवा मिलती रहे, सुनहली रोशनी मिलती रहे। वह ईंट, जिसने अपना अस्तित्व इसलिए विलीन कर दिया कि संसार एक सुंदर सृष्टि देखे। सुदर सृष्टि! सुंदर सृष्टि हमेशा ही बलिदान खोजती है, बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का। सुंदर इमारत बने, इसलिए कुछ पक्की-पक्की लाल ईंटों को चुपचाप नींव में जाना है। सुंदर समाज बने, इसलिए कुछ तपे-तपाए लोगों को मौन-मूक शहादत का लाल सेहरा पहनना है। जिस शहादत को शोहरत मिली, जिस बलिदान को प्रसिद्धि प्राप्त हुई, वह इमारत का कंगूरा है - मंदिर का कलश है। हाँ, शहादत और मौन मूक! समाज की आधारशिला यही होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए -

(क) सुंदर इमारत बनाने के लिए ईंट को जाना पड़ता है- 1

(i) भट्टी में

(ii) ट्रकों में

(iii) तहखानों में

(iv) नींव में

(ख) ईंट ने अपने लिए अंधकूप कबूल किया क्योंकि - 1

(i) उसे अपना स्वरूप पसंद नहीं है

(ii) वह स्वयं को मजबूत समझती है

(iii) अन्य ईंटों को हवा और रोशनी मिलती रहे

(iv) उसको मिट्टी से लगाव है

(ग) सुंदर सृष्टि के निर्माण के लिए आवश्यक है - 1

(i) सुंदर मानव

(ii) तकनीक का विकास

(iii) प्राकृतिक सौंदर्य

(iv) बलिदान

(घ) समाज की आधारशिला टिकी है - 1

(i) धर्म और धन पर

(ii) मौन मूक शहादत पर

(iii) शहादत और देशभक्ति पर

(iv) धन और ईमानदारी पर

(ङ) जिस बलिदान को प्रसिद्धि मिले उसे कहा गया - 1

(i) इमारत का कंगूरा और मंदिर का कलश

(ii) इमारत की नींव और मंदिर का कलश

(iii) मंदिर का कलश और मंदिर का देवता

(iv) इमारत की दीवार और इमारत की नींव

3. **अपठित पद्यांश :** **5**

नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर
वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि धूसरित बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सवेरा,
रात के उत्पात-भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुस्कान फिर-फिर।
नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए -

(क) उषा की मोहिनी मुस्कान संदेश देती है - **1**

(i) सवेरा होने पर अंधेरा दूर हो जाता है
(ii) सुबह सबका मन मोह लेती है
(iii) सवेरा होने पर सभी काम में लग जाते हैं
(iv) दु:ख के बाद सुख का आगमन होता है

(ख) 'छा गया सहसा अंधेरा' पंक्ति का भाव है- **1**

(i) सहसा बादलों का छा जाना
(ii) सहसा धूल भरी आँधी चलना
(iii) सहसा जीवन में कष्टों का आगमन
(iv) सहसा बिजली का चला जाना

(ग) रात आने पर कवि को लगा - **1**

(i) रात में रास्ता भटक जाने का डर
(ii) मुसीबतों के समाप्त न होने का डर
(iii) रात में अकेले होने का डर
(iv) निशा समाप्त न होने का डर

(घ) उपर्युक्त पद्यांश संदेश देता है – 1

(i) कष्टों से न घबराना

(ii) दु:खों का अंत जरूर होता है

(iii) जीवन में आशावादी होना

(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) कवि घोंसले का पुनर्निर्माण चाहता है क्योंकि – 1

(i) कवि घोंसला बनाने की कला जानता है

(ii) कवि घोंसला बनाकर पक्षियों को आश्रय देना चाहता है

(iii) कवि आशावादी है

(iv) कवि चाहता है पक्षी घोंसला बनाए

4. अपठित काव्यांश : 5

देव! तुम्हारे कई उपासक कई ढंग से आते हैं।
सेवा में बहुमूल्य भेंट वे कई रंग की लाते हैं।
धूमधाम से साजबाज से मंदिर में आते हैं।
मुक्तामणि बहुमूल्य वस्तुएँ लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं।
मैं हूँ गरीबिनी ऐसी जो कुछ भी साथ नहीं लाई।
फिर भी साहस कर मंदिर में पूजा करने को आई।
धूप-दीप नैवेद्य नहीं है झाँकी का श्रृंगार नहीं।
हाय! गले में पहनाने को फूलों का भी हार नहीं।
नहीं दान है, नहीं दक्षिणा खाली हाथ चली आई
पूजा की विधि नहीं जानती फिर भी नाथ चली आई
पूजा और पुजापा प्रभुवर! इसी पुजारिन को समझो
दान-दक्षिणा और निछावर इसी भिखारिन को समझो
मैं उन्मत्त प्रेम की प्यासी हृदय दिखाने आई हूँ
जो कुछ है, वह यही पास है, इसे चढ़ाने आई हूँ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए –

(क) कवयित्री ने स्वयं को गरीबिनी क्यों कहा? 1

(i) उसके पास ईश्वर को भेंट देने के लिए कुछ नहीं

(ii) उसके पास अपना पेट भरने के लिए भोजन नहीं

(iii) उसके पास दान देने के लिए धन नहीं

(iv) उसके पास पहनने को सुंदर वस्त्र नहीं

(ख) 'उपासक कई ढंग से आते हैं' कहने से अभिप्राय है – 1

(i) उपासकों का खाली हाथ आना

(ii) उपासकों का बहुमूल्य भेंट लाना

(iii) उपासकों का रोज़ आना

(iv) उपासकों का श्रद्धा सहित आना

(ग) कवयित्री ने क्या साहस किया? 1

(i) अछूत होते हुए मंदिर में प्रवेश

(ii) बीमारी की हालत में मंदिर आना

(iii) बिना भेंट लिए मंदिर में आना

(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(घ) कवयित्री भेंट में कौन सी वस्तु लाई है? 1

(i) फूल और नैवेद्य

(ii) चावल और रोटी

(iii) श्रद्धा-भक्ति से भरा हृदय

(iv) नारियल और चुन्नी

(ङ) कवयित्री प्रभु को भेंट चढ़ाने की कौन-कौन सी वस्तुएँ नहीं लाई? 1

(i) श्रृंगार का सामान (ii) फूलों का हार

(iii) धूप-दीप और नैवेद्य (iv) उपर्युक्त सभी

खंड-'ख'

5. (i) 'पृष्ठभूमि' शब्द का सही वर्ण विच्छेद है – 1

(क) प्+अ+ऋ+ष्+ढ्+अ+भ्+ऊ+म्+इ

(ख) प्+ऋ+ष्+ढ्+अ+भ्+ऊ+म्+इ

(ग) प्+ऋ+अ+ष्+ठ्+अ+भ्+ऊ+म्+इ

(घ) प्+अ+र्+अ+ष्+ठ्+अ+भ्+ऊ+म्+इ

(ii) 'संदिग्ध' शब्द का वर्ण विच्छेद है– 1

(क) स्+अ+न्+अ+द्+इ+ग्+ध्+अ

(ख) स्+अ+म्+द्+इ+ग्+ध्+अ

(ग) स्+म्+द्+इ+ग्+ध्+अ

(घ) स्+अ+न्+द+इ+ग्+ध्+अ

(iii) 'आत्मीय' शब्द का वर्ण विच्छेद है– 1

(क) अ+आ+त्+म्+ई+य्+अ

(ख) आ+त्+अ+म्+ई+य्+अ

(ग) अ+आ+त्+अ+म्+ई+य्+अ

(घ) आ+त्+म्+ई+य्+अ

(iv) 'पण्डित' शब्द का सही मानक रूप है – 1

(क) पडितं

(ख) पञ्डित

(ग) पंडित

(घ) पङ्डित

6. (i) नीचे दिए गए शब्दों में से सही अनुनासिक शब्द छाँटकर लिखिए – 1

(क) पूछं

(ख) पूँछ

(ग) पूंछ

(घ) पूछँ

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से सही नुक्ता वाले शब्द छाँटिए – 1

(क) ज़िम्मेदार, क़ाफिला

(ख) ज़िम्मेदार, फर्श

(ग) क़ाफिला, फर्श

(घ) ज़िम्मेदार, काफ़िला

(iii) 'प्रहार' शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द है – 1

(क) पर + हार

(ख) प्र + हार

(ग) पर् + हार

(घ) प्र + आहार

(iv) 'निर्जन' में प्रयुक्त उपसर्ग है– 1

(क) निर

(ख) नि

(ग) निर्

(घ) निर

7. (i) 'ओढ़नी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है– 1

(क) अनी

(ख) नी

(ग) ई

(घ) ढ़नी

(ii) 'परिचित' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय है – 1

(क) परिचि + त

(ख) परिचय + त

(ग) परिचय + इत

(घ) परि + चित

(iii) 'ईश्वर' शब्द का पयार्यवाची है - 1

(क) धेनु

(ख) जगदीश

(ग) नदीश

(घ) धान्य

(iv) 'राजा' शब्द का पयार्यवाची नहीं है - 1

(क) अचल

(ख) नरेश

(ग) भूपति

(घ) महीप

8. (i) 'दुर्लभ' शब्द का विलोम है - 1

(क) सरस

(ख) सरल

(ग) असाध्य

(घ) सुलभ

(ii) 'मूर्ख' शब्द का विलोम नहीं है- 1

(क) कुशल

(ख) अयन

(ग) दक्ष

(घ) प्रवीण

(iii) 'धर्म' शब्द के अनेकार्थक रूप हैं 1

(क) देवता, स्वामी

(ख) चिह्न, द्रव्य

(ग) गुण, स्वभाव

(घ) स्वरूप, ऋतु

(iv) 'पृष्ठ' शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं है - 1

(क) पन्ना

(ख) पीछे का भाग

(ग) पीठ

(घ) पछताना

9. (i) 'जो कुछ न करता हो' के लिए उचित शब्द है - 1

(क) अकर्मण्य (ख) कामचोर

(ग) कामकाजी (घ) अकर्मी

(ii) 'अतिशयोक्ति' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्यांश है - 1

(क) सदैव दूसरों की बात मानना

(ख) किसी की बात न मानना

(ग) किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना

(घ) किसी बात को बार-बार दोहराना

(iii) दिए गए मुहावरे से संबंधित अर्थ विकल्पों में से छाँटकर लिखिए - 1

एड़ी-चोटी का जोर लगाना

(क) हिम्मत टूट जाना

(ख) बहुत प्रयास करना

(ग) बहुत कम प्रयास करना

(घ) अपना काम निकालना

(iv) क्रिकेट मैच में शतक बनाना सचिन तेंदुलकर के लिए ..... है -

रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए - 1

(क) बहती गंगा में हाथ धोना

(ख) बाएँ-हाथ का खेल

(ग) नाक में दम

(घ) धूल झाड़ना

खंड-'ग'

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5

हिमपात अपने आपमें एक तरह से बर्फ के खण्डों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही था। हमें बताया गया कि ग्लेशियर के बहने से अकसर बर्फ में हलचल हो जाती थी, जिससे बड़ी-बड़ी बर्फ की चट्टानें तत्काल गिर जाया करती थीं और अन्य कारणों से भी अचानक प्राय: खतरनाक स्थिति धारण कर लेती थीं। सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे-चौड़े हिम-विवर में बदल जाने का मात्र खयाल ही बहुत डरावना था। इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रवास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेगा।

(क) खतरनाक स्थिति के उत्पन्न होने का क्या कारण था? 2

(ख) कौन-सा खयाल डरावना था? 1

(ग) किस जानकारी ने लेखिका को भयभीत कर दिया? 2

अथवा

शरीर और मिट्टी को लेकर संसार की असारता पर बहुत कुछ कहा जा सकता है परंतु यह भी ध्यान देने की बात है कि जितने सारतत्व जीवन के लिए अनिवार्य हैं, वे सब मिट्टी से ही मिलते हैं। जिन फूलों को हम अपनी प्रिय वस्तुओं का उपमान बनाते हैं वे सब मिट्टी की ही उपज हैं। रूप, रस, गंध, स्पर्श - इन्हें कौन संभव करता है? माना कि मिट्टी और धूल में अंतर है, लेकिन उतना ही, जितना शब्द और रस में, देह और प्राण में, चाँद और चाँदनी में। मिट्टी की आभा का नाम धूल है और मिट्टी के रंग-रूप की पहचान उसकी धूल से ही होती है।

(क) मिट्टी जीवन के लिए सारत्तत्व है क्यों? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) मिट्टी का फूलों पर क्या प्रभाव पड़ता है? **1**

(ग) मिट्टी और धूल में क्या अंतर है? **2**

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए। **2.5+2.5=5**

(क) चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति कैसी थी?

(ख) तेनजिंग ने लेखिका को तारीफ में क्या कहा?

(ग) मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?

(घ) अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

12. **किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए -** **5**

धनि रहीम जल पंक को लघु जिय पियत अघाय।
उद्धि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय॥
रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपत्ति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय॥
रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून॥

(i) रहीम ने पंक जल को धन्य क्यों कहा? **1**

(क) पंक जल आसानी से मिल जाता है

(ख) छोटे जीव पंक जल से प्यास बुझा लेते हैं

(ग) पंक जल में अनेक फल उगते हैं

(घ) पंक में पंकज जन्म लेता है

(ii) 'उदधि बड़ाई कौन है' कहने से कवि का तात्पर्य है - **1**

(क) समुद्र का जल किसी की प्यास नहीं बुझाता

(ख) समुद्र बहुत बड़ा होता है

(ग) समुद्र महान है क्योंकि उसके भीतर रत्न छिपे हैं

(घ) समुद्र में उठती लहरें सुंदर लगती हैं

(iii) विपत्ति में सबसे बड़ा सहायक कौन है? **1**

(क) मित्रगण

(ख) माता-पिता

(ग) अपनी संपत्ति

(घ) सगे-संबंधी

(iv) उपर्युक्त प्रथम दो पंक्तियों में कवि संदेश देते हैं – 1

(क) अमीर व्यक्ति गरीब को धन दें जिससे दोनों का स्तर समान हो

(ख) अमीर व्यक्ति को अधिक धन दान देना चाहिए

(ग) गरीब को धन बचाकर रखना चाहिए

(घ) अमीर के धन से उस गरीब का धन अच्छा है जो परोपकार में लगे

(v) मोती, मानुष, चून का उद्धार किसके बिना संभव नहीं? 1

(क) परिश्रम

(ख) धन

(ग) पानी

(घ) समाज

अथवा

ऐसी लाल तुझ बिन कउनु करै। 5

गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै॥

जाकि छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै।

नीचहु ऊच करै मेरा गोविंदु काहू ते न डरै॥

नामदेव, कबीरू, तिलोचन, सधना सैनु तरै।

कहि रविदास सुनहु रे संतहु हरिजीउ तै सभै सरै॥

(i) पद्यांश में लाल शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 1

(क) पुत्र के लिए

(ख) कृष्ण के लिए

(ग) मित्र के लिए

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ii) 'गुसईया' शब्द का अर्थ है – 1

(क) स्वामी

(ख) सेवक

(ग) गरीब

(घ) अछूत

(iii) 'नीचहु ऊच करै' से तात्पर्य है – 1

(क) मैदान का पहाड़ करना

(ख) छोटे-से-छोटा काम गर्व से करना

(ग) गरीब को अमीर बनाना

(घ) नीच को भी ऊँची पदवी देना

(iv) उपरोक्त पद्यांश की भाषा है – 1

(क) अवधी

(ख) ब्रज

(ग) खड़ी बोली

(घ) मैथिली

(v) पद्यांश का मूल भाव है – 1

(क) भगवान का स्वभाव समदर्शी है

(ख) भगवान केवल गरीबों को प्रेम करते है

(ग) भगवान सर्वव्यापी है

(घ) भगवान कलियुग में नहीं आते

13. (क) 'आदमीनामा' कविता पढ़कर आपके मन में मनुष्य के प्रति क्या धारणा बनती है? 2

(ख) कवि रैदास ने भगवान और भक्त की तुलना किन-किन चीजों से की है? 2

(ग) प्रेम का धागा क्यों नहीं तोड़ना चाहिए? 1

14. 'शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और... दु:खी होने का भी एक अधिकार होता है'। लेखक ने ऐसा क्यों कहा पाठ 'दु:ख का अधिकार' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

ग्रामीण परिवेश में प्रकृति धूल के कौन-कौन से सुंदर चित्र प्रस्तुत करती है?

15. साँप का ध्यान बँटाने के लिए लेखक ने क्या-क्या युक्तियाँ अपनाईं? 3

अथवा

'मेरी रीढ़ में एक झुरझुरी सी दौड़ गई' लेखक के इस कथन के पीछे कौन-सी घटना जुड़ी है?

16. गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है? 2

खंड-'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) **विज्ञान : वरदान या अभिशाप :**

- विज्ञान का जीवन में स्थान
- विज्ञान के योगदान
- लाभ व हानियाँ
- सही दिशा में उपयोग

(ख) **दैव-दैव आलसी पुकारा :**

- उक्ति का अर्थ
- भाग्य कर्म से बनता है
- परिश्रम से सफलता
- इतिहास से उदाहरण
- परिश्रमी व्यक्ति भाग्य-भरोसे नहीं बैठता

(ग) **हमारा प्यारा भारतवर्ष :**

- मातृभूमि प्रेम
- देश की सुंदरता
- महापुरुषों की भूमि
- ज्ञान का स्रोत
- विविधता में एकता

18. आप अपने मित्र के भाई के विवाह में सम्मिलित न हो सके, क्षमा-याचना करते हुए मित्र को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

छात्रावास में रह रहे छोटे भाई के द्वारा की गई मोबाइल फोन की माँग पर, उसे इस आयु में मोबाइल फोन का उपयोग न करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

- o O o -